कर्ल ऑन को मिले कॉयर उद्योग से

3 उत्कृष्टता पुरस्कार

नईदिल्ली, 21अक्टूबर 2016 : भारत की सबसे बड़ी मैट्रेस बनाने वाली कंपनी कर्ल ऑन ने भारतीय कॉयर उद्योग पुरस्कार समारोह में तीन प्रतिष्ठित पुरस्कार जीत कर एक बार फिर से अपनी सर्वोच्चता का प्रदर्शन किया है. यह पुरस्कार समारोह लुधियाना में आयोजित किया गया।

साल 2014-15 के लिए कर्ल ऑन ने यह पुरस्कार हासिल किए

- रबराइज्ड कॉयर मेट्रेसेज के क्षेत्र में घरेलू मार्केट में बेस्ट परफॉर्मेंस अवॉर्ड
- कॉयर इंडस्ट्री में बड़े और नए निवेश के लिए पुरस्कार
- मशीनरी के विकास में अनुसंधान और विकास के प्रयास के लिए पुरस्कार

केंद्रीयसूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग मंत्री श्री कलराज मिश्र ने लुधियाना में पंजाब एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी के कैंपस में आयोजित राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह में श्री टी सुधाकर पईकर्ल – ऑन के प्रबंध निदेशक को इन पुरस्कारों से प्रस्तुत किया। भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी भी इस अवसर पर मौजूद थे।

कर्ल ऑन रबराइज्ड कॉयर इंडस्ट्री में सबसे आगे रहा है। रबराइज्ड कॉयर प्रॉडक्ट के सेगमेंट में अपने योगदान और सर्वोत्कृष्टता के लिए कर्ल ऑन को लगातार पहचान मिलती रही है। बेस्ट प्रॉडक्ट्स मार्केट मेंलाने के लिए लगातार नई रिसर्च करने और नई – नई तकनीक के विकास के लिए कर्ल ऑन की हमेशा सराहना होती रही है।

कॉयर इंडस्ट्री का मकसद कॉयर से जुड़े कारोबारियों और निर्यातकों को अपना प्रदर्शन सुधारने के लिए प्रोत्साहित करना और नई ऊंचाइयों को हासिल करना है। राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह में कॉयर इंडस्ट्रीज के प्रभावशाली और दिग्गज कारोबारी एक जगह एकत्र हुए। समारोह में परफेक्शन और बेहतरीन योगदान के उच्च मानकों की पहचान की गई और भविष्य में कॉयर इंडस्ट्रीज के विकास में नई क्षमताओं की संभावना कोभी तलाशा गया।

कर्ल ऑन भारत में सबसे ज्यादा मेट्रेसेज की बिक्री करने वाली कंपनी है। यह भारत में रबराइज्ड कॉयर मेट्रेसेज के अग्रणी निर्माताओं में से एक है। यह रबराइज्ड कॉयर के गद्दे, फोम के गद्दे, स्प्रिंग के गद्दे, पॉलियूथिरेनफोम (पीयूफोम), तकिए, कुशन, गोलतकिया (पीसीबी), सोफा, फर्नीचर और घर की सजावट के सामान का निर्माण करती है, उनकी सप्लाई करती है और उनकी बिक्री करती है। कंपनी ने 2014-15 में कॉयर इंडस्ट्री में 52.19 करोड़ रुपये का निवेश किया। इसी अवधि के दौरान कंपनी ने टेक्निकल अपग्रेडेशन के लिए कंपनी ने 24 नई मशीनों का विकास किया और उसे प्लांट में स्थापित किया। इन मशीनों से बेकार हो चुके रबराइज्ड कॉयर मेट्रेसेज का रेशा अलगकर उसे दोबारा इस्तेमाल के काबिल बनाया जा सकता है। इन मशीनों को लगाने का मकसद क्वॉलिटी अपग्रेडेशन, लागत में कमी, ऊर्जा की बचत और जीरो वेस्ट प्रोसेसिंग है।

पुरस्कार हासिल करने के बाद गौरवान्वित महसूस कर रहे कर्ल ऑन इंडस्ट्री के प्रबंध निदेशक श्री टी. सुधार पाई ने कहा कि यह पुरस्कार सर्वोत्कृष्ता की हमारी कभी न खत्म होने वाली अनवरत तलाश के लिए एक राष्ट्रीय पहचान है। एक्सिलेंस की यह तलाश 55 साल पहले शुरू हुई थी। अपने पी एम के हाथों से यह पुरस्कार हासिल करना हमारे लिए पूर्ण विशेषाधिकार और सम्मान है। यह परफॉर्मेंस और रिसर्च अवॉर्ड प्रॉडक्ट्स के निर्माण और उनकी प्रोसेसिंग की प्रक्रिया में हमारी सर्वोत्कृष्टता की लगातार प्रतिबद्धता की पहचान करते हैं।

कॉयर इंडस्ट्रीज का भारत में काफी लंबा, चमकीला और शानदार इतिहास रहा है। भारत में आधुनिक कॉयर इंडस्ट्री 1859 में शुरू हुई, जब आयरिश मूल के अमेरिकी कारोबारी श्री जेम्स डाराग ने केरल के अलेप्पे में पहली नारियल की जटा के रेशों को बुनाई की फैक्ट्री शुरू की। कॉयर इंडस्ट्री देश के लिए विदेशी मुद्रा कमाने वाले मुख्य स्त्रोतों से एक है। यह इंडस्टी भारतकी राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

कर्ल ऑन के बारे में

कर्ल ऑन ने 1962 में अपना सफर शुरू किया था। समय के साथ यह मेट्रेसेज इंडस्ट्री में यह एक लीडर बनकर उभरी है। देश में आधे दशक से भी ज्यादा समय से कंपनी अपनी प्रभावशाली मौजूदगी दर्ज करा रही है। कर्ल ऑन के मेट्रेसेज भारतीय घरों का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं और ये अच्छी नींद का दूसरा नाम है। कर्ल ऑन रबराइज्ड कॉयर मेट्रेसेज, स्प्रिंगमेट्रेसेज, पॉलियूरीथीनफोम (पीयूफोम), तकिए, कुशन, गोलत किए, घर के फर्नीचर और सजावट के सामान का निर्माण करती है, सप्लाई करती है और उनकी बिक्री करती है। आज कंपनी ने इस इंडस्ट्री में अपना लीडर का दर्जा और मजबूत और पुख्ता कर लिया है। कंपनी के 9

निर्माण संयंत्र, 4 जोनल ऑफिस, 72 एरिया सेल्स ऑफिस और 4 हब और वेयर हाउस एक रणनीति के तहत पूरे देश में फैले हैं। आज कंपनी लोगों की पसंद के हिसाब से मार्केट में नंबर वन बन चुकी है। कंपनी वही क्वॉलिटी देती है, जोकि आम जनता को पसंद है। आज कंपनी मेट्रेसेज इंडस्ट्री की बड़ी खिलाड़ी बन चुकी है। कंपनी ने आरामके कॉन्सेप्ट को स्वास्थ्य पहलुओं से जोड़ कर नए सिरे से पारिभाषित किया है। इसी से आज कंपनी एक बेहद विश्वसनीय ब्रांड बन गई है।